खबर संक्षेप

सूने घर से ताला तोड़ 80 हजार के जेवरात किये पार

कटनी। कुठला थाना क्षेत्र अंतर्गत के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित सूने मकान में चोरो ने हाथ साफ किया। बदमाशों ने घर का ताला तोड़कर आलमारी में रखे करीब 80 हजार रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुरेन्द्र कुमार मोगेरिया निवासी ट्रांसपोर्ट नगर ने 4 जनवरी को दोपहर ढाई बजे थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि वह 25 दिसंबर 2025 से 30 दिसंबर 2025 के बीच अपने घर पर मौजूद नहीं थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 331(4), 305(ए) में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है और संदिग्धों से पूछताछ भी शुरू कर दी गई है। आये दिन हो रही चोरी की घटनाओं से ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र के रहवासी दहशत में हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और जल्द आरोपियों को पकड़ने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरी का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

गंदगी फैलाने एवं अमानक पॉलीथिन का उपयोग करने पर 2200 रूपए का जुर्माना

कटनी। सोमवार को नगर निगम की स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नेहरू वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों के सार्वजनिक स्थलों पर 3 प्रतिष्ठान संचालकों द्वारा गंदगी फैलाने, स्वच्छता नियमों की अवहेलना करने पर 1600 रुपये का स्पॉट फाइन लगाया गया। वहीं अमानक पॉलीथिन का उपयोग करने वाले 2 प्रतिष्ठान संचालकों के विरुद्ध 600 रुपये के जुर्माने की कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कुछ स्थानों पर खुले में कचरा फेंकने, दुकानों के सामने गंदगी फैलाने तथा निर्धारित कचरा संग्रहण व्यवस्था का पालन नहीं किया जा रहा था। ऐसे मामलों में संबंधितों पर नगर निगम अधिनियम एवं स्वच्छता उप विधियों के अंतर्गत तत्काल स्पॉट फाइन आरोपित किया गया। नियमों का उल्लंघन न केवल शहर की सुंदरता को प्रभावित करता है, बल्कि जनस्वास्थ्य के लिए भी जोखिम उत्पन्न करता है। इसी कारण भविष्य में भी निरीक्षण अभियान जारी रखते हुए नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व कैबिनेट मंत्री का हुआ किया स्वागत

स्लीमनाबाद। उत्तरप्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री व पूर्व सांसद डीपी यादव का देवगांव पहुंचने पर मुकेश यादव के नेतृव्य में यादव समाज के लोगों ने बैंड बाजो व आतिशबाजी के बीच गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया। डीपी यादव एक समय उत्तरप्रदेश के कददावार नेता माने जाते थे। डी पी यादव दमोह मै आयोजित न्याय रैली मै शामिल होने जा रहे थे जहाँ देवगांव में उनका भव्य स्वागत यादव समाज के द्वारा किया गया। डीपी यादव ने मुकेश यादव सहित समाज जनों को बधाई दी ओर कहा कि समाज की एकजुटता बहुत जरूरी है। यादव समाज से भी लोग आगे आकर राजनीति में सक्रिय हो। समाज के उत्थान व विकास के लिए सदैव सहयोग किया जायेगा। इस दौरान संतोष यादव, रामसुजान यादव, शैलेंद्र पटेल, शिवकुमार यादव, सुनील कुशवाहा, कपिल विश्वकर्मा, गुलजारी यादव सहित अन्य जन मौजूद रहे।

क्षेत्रीय विधायक पर बेपरवाही का आरोप, विद्यार्थियों ने बताई अपनी पीड़ा

दर्द न जाने कोय : जर्जर सड़क से परेशान ग्रामीणों द्वारा किया गया चकाजाम प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

सड़कों की बदहाल और जर्जर हालत से आवागमन में हो रही बेइंतहा परेशानी एवं हादसों में आये दिन चोटिल होने से न सिर्फ ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ा है बल्कि विद्यार्थी भी खासे परेशान हैं। बड़वारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत देवरी, हटाई और बछौली मार्ग की बदहाल स्थिति सालों से बनी हुई है। बार बार शिकायत करने के बाद भी जब अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने कोई ध्यान नहीं दिया तो आक्रोश और हो गया। सोमवार 5 जनवरी को ग्रामीणों के साथ विद्यार्थियों ने भी चकाजाम प्रदर्शन कर अपनी परेशानियां जाहिर की। सड़क निर्माण की मांग को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीणों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्कूली बच्चों ने देवरी–हटाई–बड़वारा मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शन के चलते मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बारिश में बेइंतहा परेशानी

वर्तमान समय में पड़ रही कड़ाके की ठंड और उड़ती धूल के बीच बच्चे सड़क पर बैठकर नारेबाजी करते नजर आए। बच्चों का कहना था कि खराब सड़क उनके लिए रोज की परेशानी बन चुकी है। विद्यार्थियों ने बताया कि सड़क पर गहरे गड्ढों के कारण आए दिन गिरकर चोट लग जाती है। बारिश के मौसम में सड़क कीचड़ से भर जाती है, जिससे स्कूल यूनिफॉर्म खराब हो जाती है। वहीं, सूखे दिनों में गड्ढों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों ने क्षेत्रीय विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद सड़क की समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि फोन पर बात करने के दौरान विधायक ने गैर-जिम्मेदाराना जवाब दिया। लोगों का कहना है कि जब जनप्रतिनिधि ही लोगों की परेशानियों को नजर अंदाज करेंगे तो किससे उम्मीद की जाये। अधिकारी तो कभी इस ओर देखते ही नहीं।

सड़क निर्माण की बतायें तारीख

प्रदर्शन एवं चक्काजाम की सूचना मिलते ही बड़वारा तहसीलदार ऋषि गौतम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को समझाने और जाम खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। प्रदर्शनकारियों का साफ कहना है कि जब तक सड़क निर्माण की ठोस तारीख और लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

पिपरहटा में किया बोरी बंधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मप्र जन अभियान परिषद के द्वारा मप्र में चलाए जा रहे जल संचय अभियान के अंतर्गत विकासखंड कटनी के सेक्टर क्रमांक 3 कन्हवारा के अंतर्गत ग्राम पिपरहटा पिलौंजी में नवांकुर संस्था बारडोली वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम पिपरहटा को पर्यावरण की दृष्टि से शत प्रतिशत स्वच्छ गांव बनाने की दिशा में पॉलिथिन मुक्त ग्राम बनाने हेतु चर्चा कर योजना तैयार की गई, एवं जल संचय अभियान के बारे में चर्चा करते हुए विभिन्न माध्यमों से वर्षा के जल को रोककर बचाने के बारे में ग्राम वासियों को प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के परामर्शदाता रामानुज पांडेय के समन्वय से ग्राम के शंकर मंदिर के पीछे नाले में 30 बोरियों का बोरी बंधान बनाया गया, जिससे जल को जमीन के नीचे पहुंचाकर जल स्तर बढ़ाया जा सके एवं अन्य उपयोग हेतु बचाया जा सके। नवांकुर संस्था के द्वारा कन्हवारा सेक्टर में सभी प्रेस्फुटन ग्रामों में नदियों और नालों में बोरी बंधान के माध्यम से जल संचय हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, इस अभियान में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद से जुड़ी प्रस्फुटन समितियां मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के परामर्शदाता गण छात्र-छात्राओं एवं ग्राम वासियों की विशेष सहभागिता हो रही है।

पिपरहटा में जन भागीदारी से बनाए गए बोरी बंधान में परिषद के विकासखंड समन्वयक बालमुकुंद मिश्र, ग्राम सरपंच शिवकुमार पांडेय, नवांकुर संस्था के अध्यक्ष राम लखन चौधरी, सदस्य शिवकुमार चौधरी, माया गुप्ता, सेक्टर प्रभारी गनपत लाल कोल, प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष राजाराम पटेल, सचिव रामलाल भुमिया, परामर्शदाता रामानुज पांडे मौजूद थे।

दृष्ट दिव्यांग जनों को अध्ययन में सक्षम बनाती है ब्रेल लिपि

दृष्टिबाधित विशेष विद्यालय एवं पुनर्वास केंद्र झिंझरी में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

दृष्टि दिव्यांग विद्यार्थियों की शिक्षा को अधिक सुलभ, प्रभावी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला दृष्टिबाधित विशेष विद्यालय एवं पुनर्वास केंद्र झिंझरी में विश्व ब्रेल दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में ब्रेललिपि की उपयोगिता, महत्व और दृष्टि दिव्यांग छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक सशक्तिकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में संस्था प्रमुख राजीव कुमार रायकवार ने कहा कि ब्रेललिपि दृष्टिबाधित छात्रों की शिक्षा व आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार है। ब्रेललिपि के माध्यम से दृष्टिबाधित व्यक्तियो को शिक्षा, सूचना और संचार तक समान रूप से पहुंचती है। विद्यालय दिव्यांग विद्यार्थियों को अवसर देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। विद्यालय के संचालक राजीव कुमार रायकवार ने कहा कि ब्रेललिपि स्वतंत्र रूप से पढ़ने-लिखने, नोट्स तैयार करने और अध्ययन करने में सक्षम बनातीं है। जिससे उच्च शिक्षा के साथ-साथ रोजगार और कैरियर निर्माण के अवसर भी सुलभ होते हैं।

लुई ब्रेल दिवस दृष्टिबाधितों के लिये सिर्फ पढ़ने-लिखने का माध्यम नहीं बल्कि ब्रेल सम्मानजनक जीवन जीने का आधार है। बेहतरीन कार्य करने वाले दृष्टिबाधितों ने ब्रेललिपि के महत्व को उनके जीवन से जोड़ते हुए साझा किया। किसी ने बताया कि ब्रेललिपि उनके लिए आंखों की तरह काम आईं तो किसी ने कहा कि सामान्य लोगों के बीच व्यवस्थित जीवन जीने और सम्मान से रहने में इसका बहुत योगदान रहा।

जिले का एकमात्र दृष्टिबाधित विशेष विद्यालय एवं पुनर्वास केंद्र झिंझरी है। इसमें भारत का आठवां एक्सटेंशन बुक काऊन्टर एवं अंतर्राष्ट्रीय ब्रेललिपि की पुस्तकें विदेशों से मंगाई गई हैं, जो दृष्टि दिव्यांग जनों के हितार्थ समर्पित है विद्यालय में दृष्टि दिव्यांग जनों को कुर्सी, बिनाई, मोमबत्ती, अगरबत्ती, चाक, बत्ती एवं दृष्टि दिव्यांग जनों को व्यवसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

पीएम आवास योजना ग्रामीण के हितग्राहियों का सत्यापन

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण 2.0 के तहत पात्र हितग्राहियों के सत्यापन कार्य बहोरीबंद विकासखंड में चल रहा है। ब्लॉक स्तर पर गठित टीमों के नेतृत्व में घर-घर जाकर दस्तावेजों, आय, संपत्ति और वर्तमान आवास स्थिति की जांच की जा रही है। सोमवार को ग्राम पंचायत राखी में प्रधानमंत्री आवास योजना के विकासखंड समन्वयक अखिलेश वर्मा पहुंचे जहाँ उन्होंने गरीब तबके के लोगों के घरों मै पहुंचकर सत्यापन कार्य किया। इस दौरान सरपंच नम्रता आकाश नायक व सचिव बालकिशन भी साथ में रहे। विकासखंड समन्वयक ने बताया कि आवास प्लस एप के माध्यम से दर्ज सूचियों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है, ताकि अपात्रों के नाम हटाए जा सके और वास्तविक जरूरतमंदों को प्राथमिकता मिले। इस कार्य में ग्रामीण आवास सहायक, पंचायत सचिव वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी सहित अन्य कर्मी शामिल हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण 2.0 का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेघर और कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों को पक्का घर प्रदान करना है।

विद्यार्थियों को दिया गया पोषक तत्वों के वर्गीकरण एवं उनकी आवश्यकता का तकनीकी प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय स्लीमनाबाद में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्नातक स्तर पर अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ आत्मनिर्भर स्वावलंबी एवं स्वरोजगार स्थापित करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत पोषक तत्वों की आवश्यकता एवं उनके वर्गीकरण का तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण प्राचार्या डॉ सरिता पांडे के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. प्रीति नेगी के सहयोग से जैविक कृषि विशेषज्ञ रामसुख दुबे द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में बताया गया कि पौधों को भोज्य पदार्थ के रूप में 17 आवश्यक पोषक तत्वों की जरूरत पड़ती है। इन आवश्यक पोषक तत्वों को पौधे की आवश्यकता के आधार पर तीन भागों में बांटा गया है। हवा एवं पानी से प्राप्त होने वाले पोषक तत्व कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन है। पोषक तत्व नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश इन पोषक तत्वों की पौधों को अधिक मात्रा में आवश्यकता पड़ती है। द्वितीय पोषक तत्व के अंतर्गत कैल्शियम, मैग्नीशियम, सल्फर तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों के अंतर्गत लोहा, मैंगनीज, कॉपर, जिंक, बोरान, मॉलीबेडी, नमक्लोरीन तथा निकिल की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को एकीकृत कृषि प्रणाली, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन, एकीकृत नाशी जीव प्रबंधन एवं एकीकृत खरपतवार नींदा प्रबंधन की जानकारी, कम लागत तकनीकी जीरो बजट फार्मिंग के अंतर्गत जानकारियां दी गई। जिससे बाजार पर निर्भरता कम एवं उत्पादन अधिक मिल सके।

यात्रियों की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा किया गया नवाचार

तिपहिया सवारी वाहनों में चस्पा किये क्यूआर कोड चालकों को नियमों का पालन करने दी हिदायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

पुलिस ने यात्रियों के सुगम एवं व्यवस्थित सफर के लिए पहल करते हुए ऑटो व ई-रिक्शा चालकों के लिए क्यूआर कोड सिस्टम को प्रभावी किया गया है। तिपहिया सवारी वाहन चालकों पर यात्रियों से अभद्रता, मनमाना किराया वसूली और यातायात नियमों के उल्लंघन की शिकातयें आम हो गई थी जिस पर संज्ञान लेते हुए पुलिस प्रशासन ने इस दिशा में निर्णायक कदम उठाया है। पुलिस द्वारा विशेष जागरूकता एवं सत्यापन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें ऑटो में चालकों का डाटा बेस स्टीकर लगाया गया और सभी चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया ने बताया कि शहर में पंजीकृत लगभग 7500 ऑटो और ई-रिक्शा वाहनों के चालकों का चरणबद्ध तरीके से पुलिस वेरिफिकेशन कराया जा रहा है। इस प्रक्रिया के तहत प्रत्येक वाहन पर एक विशेष स्टीकर लगाया जा रहा है। जिसमें चालक का नाम, मोबाइल नंबर, वाहन का पंजीयन नंबर और पुलिस संपर्क से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दर्ज होगी। इससे यात्रियों को सुरक्षा का भरोसा मिलेगा और किसी भी तरह की शिकायत की स्थिति में चालक तक तुरंत पहुंचा जा सकेगा। एएसपी ने कहा कि यह पहल केवल दंडात्मक नहीं है बल्कि सुधार और प्रोत्साहन पर आधारित है, जो ऑटो चालक नियमित रूप से यातायात नियमों का पालन करेंगे। यात्रियों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे और सुरक्षित ड्राइविंग करेंगे। उन्हें प्रेरणा स्वरूप सम्मानित भी किया जाएगा। इससे अन्य चालकों को भी नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। इस दौरान यातायात थाना प्रभारी राहुल पांडे सहित यातायात थाने में पदस्थ पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

एएसपी ने कहा कि अब ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के लिए यूनिफॉर्म पहनना और नाम प्लेट लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इससे न सिर्फ चालकों की पहचान आसान होगी बल्कि उनमें जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होगी। चालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन, नशे की हालत में वाहन चलाना, यात्रियों से दुव्यवहार या तय से अधिक किराया वसूलने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम के विभिन्न क्षेत्रों में जल गुणवत्ता के लिये जा रहे सेम्पल

इंदौर जैसे न बने जिले में हालात, जांच के लिए 17 पानी के सैंपल भेजे लैब

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर निगम कटनी सीमान्तर्गत विभिन्न क्षेत्रों में पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश के बाद सक्रिय नगर निगम अमले ने सोमवार 5 जनवरी को विभिन्न जल स्त्रोतों के निरीक्षण , सैंपलिंग एवं जांच की कार्यवाही की।। इसके तहत विभिन्न वार्डों में पेयजल गुणवत्ता से संबंधित मैदानी सर्वेक्षण भी किया जाकर पेयजल के सैंपल संकलित किए गए।

सर्वेक्षण के दौरान जल आपूर्ति बिंदुओं का निरीक्षण करते हुए पानी की स्वच्छता एवं उपयोगिता पर विशेष ध्यान दिया गया। जांच में पाया गया कि क्षेत्र में जल आपूर्ति की स्थिति गुणवत्तापूर्ण पाई गई। पाइपलाइन के माध्यम से की जा रही जलापूर्ति, नलों से साफ एवं स्वच्छ सुगम जल आपूर्ति। की जा रही है।

नगर निगम कर्मियों द्वारा सर्वेक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद भी किया गया। पुरुषों एवं बुजुर्ग नागरिकों से चर्चा में नागरिकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्हें स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल प्राप्त हो रहा है, पानी पीने योग्य है तथा पानी से संबंधित किसी प्रकार की समस्या नहीं है। नागरिकों ने यह भी बताया कि वे नियमित रूप से इसी पानी का उपयोग कर रहे हैं। वर्तमान में पानी से संबंधित कोई शिकायत या समस्या सामने नहीं आई है और जल आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो रही है।

इस कार्य में संलग्न अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा सोमवार को सर्वेक्षण के दौरान बाबा नारायण शाह वार्ड, काली माता मंदिर, माधवनगर रॉबर्ट लाईन, संत कंवरराम वार्ड टंकी नंबर 4, झिंझरी स्थित बिलहरी मोड नई पानी की टंकी, अल्फर्ट गंज मोहन टॉकीज रोड, कोतवाली थाना सिटी सप्लाई, जगमोहनदास वार्ड स्थित जंगल दफ्तर पानी की टंकी, सुधार न्यास कॉलोनी, महात्मा गांधी वार्ड कनकने स्कूल टंकी सप्लाई हेतु हरिजन बस्ती, निषाद स्कूल टंकी सप्लाई हेतु केवट कॉलोनी, मानसरोवर कॉलोनी टंकी, हाउसिंग बोर्ड टंकी, अमीरगंज स्थित नई टंकी, डनहिल टैंक सप्लाई हेतु बरगवां बंधवा टोला, सहित अन्य स्थलों से पानी के सैंपल लिये जाकर जांच हेतु लैब भेजे गए। वहीं मदन मोहन चौबे वार्ड में खराब पानी की सप्लाई की शिकायत पर वार्ड से सैंपल लिया जाकर टेस्टिंग हेतु लैब भेजने की कार्यवाही की गई। वहीं सुचारू पेयजल आपूर्ति के मद्देनजर सुधार न्यास कॉलोनी के संपवेल की सफाई का कार्य कराया गया।

नगर निगम प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं भी पेयजल की शुद्धता को लेकर किसी प्रकार की शिकायत हो, तो नागरिक तत्काल नगर निगम के हेल्पलाइन नंबर 9351136230 पर संपर्क करें, ताकि समय पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके।

नगर निगम के उपयंत्री को किया गया निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर निगम में 24 दिसंबर 2025 को आयोजित लोक निर्माण एवं उद्यान समिति की बैठक के दौरान समिति सदस्य एवं वरिष्ठ पार्षद मिथिलेश जैन से नगर निगम उपयंत्री शैलेन्द्र प्यासी के द्वारा की गई अभद्रता महंगी पड़ गई। नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार ने उपयंत्री शैलेन्द्र प्यासी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। गौरतलब है कि 24 दिसंबर 2025 को आयोजित लोक निर्माण एवं उद्यान समिति की बैठक के दौरान उपयंत्री शैलेन्द्र प्यासी ने सार्वजनिक रूप से समिति के सदस्य एवं वरिष्ठ पार्षद मिथिलेश जैन से तेज आवाज में वार्तालाप करते हुए अभद्रता की थी।

उपयंत्री शैलेन्द्र प्यासी की इस कृत्य को अनुशासनहीनता मानते हुए पहले नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया। शैलेन्द्र प्यासी के द्धारा अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया लेकिन उनका यह स्पष्टीकरण नगर निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार को संतोषजनक नहीं लगा। जिसके बाद नगर निगम आयुक्त सुश्री परिहार ने उपयंत्री शैलेन्द्र प्यासी को म.प्र.सिविल सेवा(आचरण) नियम 1965 के नियम 3 (1) एवं (2)का उल्लंघन करने का दोषी मानते हुये तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में श्री प्यासी को सुरम्य पार्क में संबद्ध किया जाता है। निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

खबर संक्षेप

33 हजार रूपए कीमती सामग्री ले गये चोर

कटनी। रंगनाथनगर थाना क्षेत्र में चोरो ने कम्प्यूटर उपकरण चोरी कर लिये जिनकी कीमत हजारों में बताई गई है। जानकारी के अनुसार बदमाशों ने एलएनटी ब्रे ब्रिज के केबिन के पीछे स्थित एक स्थान से कंप्यूटर सिस्टम का सामान चोरी कर लिया। चोरी गए सामान की कीमत करीब 32 हजार रुपये बताई जा रही है। यह घटना 31 दिसंबर को दोपहर 13:30 बजे से 14:00 बजे के बीच की है। चोरी एलएनटी ब्रे ब्रिज के केबिन के पीछे, मुड़वारा क्षेत्र में हुई। प्रार्थी रविन्द्र मिश्रा निवासी साईपुरम कॉलोनी ने 4 जनवरी को रात 20:03 बजे थाना रंगनाथनगर में अपने साथी मुमताज अली और सूर्यमणी मिश्रा के साथ उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार अज्ञात चोर मौके से एक मॉनिटर, सीपीयू और यूपीएस चोरी कर ले गए, जिनकी कुल कीमत लगभग 32,000 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 331(3), 305(ए) एवं भादवि की धारा 451, 380 के अंतर्गत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। बदमाशों की पतासाजी का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है और संदिग्धों की तलाश जारी है।

सुधार न्यास कालोनी में ओपन जिम का लोकार्पण

कटनी। विश्राम बाबा वार्ड की सुधार न्यास कॉलोनी में 5 जनवरी सोमवार को ओपन जिम का लोकार्पण वार्ड पार्षद श्रीमती राजकुमारी मिथलेश जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक संदीप जयसवाल, विशिष्ट अतिथि के रूप में रघुनाथगंज वार्ड के पार्षद मिथलेश जैन उपस्थित थे। वार्ड के नागरिकों में रामाधार गर्ग, के एल श्रीवास्तव, पंकज गौतम, मनोज गर्ग, महेश मिश्रा समेत सैकड़ो वार्ड वासी उपस्थित थे।ओपन जिम लगने से सभी वार्ड वासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधायक संदीप जायसवाल ने स्वास्थ्य लाभ के लिए जिम की आवश्यकता को प्रतिपादित किया। वार्ड पार्षद श्रीमती राजकुमारी जैन ने उत्तम सुख निरोगी काया के बारे में बतलाते हुए कहा कि खुली हवा में एक्सरसाइज करने से शरीर पर अच्छा प्रभाव पड़ता है और शरीर स्वस्थ रहता है। पार्षद मिथलेश जैन ने गुड हेल्थ गुड वेल्थ शब्दों के माध्यम से सबके उत्तम स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

उपायुक्त ने रैन बसेरा की व्यवस्थाओं का किया औचक निरीक्षण

कटनी। नगर निगम द्वारा संचालित बस स्टैंड स्थित रैन बसेरा मे उपलब्ध कराई जा रहीं व्यवस्थाओं का उपायुक्त ने रविवार रात्रि औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रैन बसेरा में ठहरने वाले जरूरतमंद एवं असहाय व्यक्तियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का बारीकी से जायजा लेकर समस्त व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। उपायुक्त श्री गुप्ता ने रैन बसेरा में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बिस्तर, कंबल एवं शौचालयों की स्थिति का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं सुचारु एवं संतोषजनक बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से ठंड के मौसम को देखते हुए पर्याप्त कंबलों की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं परिसर में नियमित स्वच्छता बनाए रखने पर जोर दिया।

सुधा देवी परौहा का निधन

स्लीमनाबाद। ग्राम परौहा पिपरिया निवासी बेनीप्रसाद परौहा की धर्मपत्नी एवं सेवानिवृत शिक्षक नरेश कुमार परौहा, मिथलेश परौहा, सुरेश परौहा की मां सुधा देवी परौहा का दुखद निधन हो गया, जिनका अंतिम संस्कार मुक्तिधाम में किया गया।

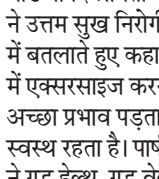

उमरियापान बनी देश की पहली नगर परिषद, परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखे गये वार्डों के नाम

शहीदों के बलिदान से आगामी पीढ़ियां लेंगी प्रेरणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

प्रदेश के कटनी जिले की ढ़ीमरखेड़ा तहसील में नवगठित नगर परिषद उमरियापान देश की संभवतः ऐसी पहली नगर परिषद बन गई है। जिसके सभी 15 वार्डों का नाम परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर है। मध्यप्रदेश के असाधारण राजपत्र में 31 दिसंबर 2025 को विधिवत तौर पर वार्डों के विस्तार क्षेत्र और नामकरण की अधिसूचना का प्रकाशन हो गया है।

कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा राजपत्र में प्रकाशित कराई गई अधिसूचना में सभी 15 वार्डों के नाम भारत के अमर शहीदों परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखे गये हैं। यह अनोखी पहल अमर शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को स्थायी श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों में राष्ट्रभक्ति और वीरता की भावना जागृत करने का जीवंत प्रयास है। इस नामकरण के बाद उमरियापान की सड़कें, गलियां और वार्ड शहीदों के सर्वोच्च बलिदान की शौर्य गाथाओं के प्रतीक बन गये हैं।

नवगठित उमरियापान नगर परिषद के वार्डों के नाम

मेजर पीरू सिंह के नाम पर नगर परिषद उमरियापान के वार्ड क्रमांक 1 का नाम रखा गया है। पीरू सिंह शेखावत 6 राजपूताना राईफल्स में कंपनी हवलदार मेजर थे। जुलाई 1948 में पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर के टिथवाल सेक्टर में भयानक हमला किया। इस दौरान पीरू सिंह की टुकड़ी के ज्यादातर जवान घायल हो गये थे या शहीद हो गये थे। लेकिन पीरू सिंह ने अकेले ही मशीन गन से हमला कर पोस्ट पर कब्जा कर लिया और इसके बाद उन्होंने एक और पोस्ट को खाली कराया, लेकिन इस दौरान वे शहीद हो गये।

मेजर धन सिंह थापा के नाम पर वार्ड क्रमांक 2 का नाम रखा गया है। अगस्त 1949 में भारतीय सेना के 8वीं गोरखा राइफल्स में कमीशन अधिकारी के रूप में शामिल मेजर धन सिंह थापा परमवीर चक्र से सम्मानित हुये थे। मेजर थापा ने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान लद्दाख में चीन की सेना का सामना किया था।

मेजर होशियार सिंह के नाम पर वार्ड क्रमांक 3 का नाम रखा गया है। मेजर होशियार सिंह का 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में बड़ा योगदान है। पाकिस्तानी सेना 1971 में जब सकरगढ़ सेक्टर पर कब्जा कर बैठी थी, तब सीधी लड़ाई में होशियार सिंह ने पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया था। पाकिस्तानी सेना को अपने साथियों की लाशें छोड़कर भागने को मजबूर होना पड़ा। मेजर होशियार सिंह को परमवीर चक्र का पुरस्कार उनके जीवित रहते ही प्रदान किया।

नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 4 का नाम कैप्टन विक्रम बत्रा के नाम पर रखा गया है। करगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा ने दो महत्वपूर्ण चोटियों को पाकिस्तानियों के कब्जे से छुड़ाया था। 1 जून 1999 को उनकी टुकड़ी को करगिल युद्ध में भेजा गया। विक्रम बत्रा ने जान की परवाह न करते हुये लेफ्टिनेंट अनुज नैय्यर के साथ कई पाकिस्तानियों को मौत के घाट उतारा। कारगिल युद्ध के दौरान उनका कोड नाम शेरशाह था। कारगिल युद्ध में शहीद हुये विक्रम बत्रा को मरोणोपरांत परमवीर चक्र से नवाजा गया।

उमरियापान नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 5 का नाम शहीद सेकण्ड लेफ्टिनेंट अरूण खेत्रपाल के नाम पर रखा गया है। श्री खेत्रपाल भारत-पाकिस्तान युद्ध में अद्भुत पराक्रम दिखाते हुये वीरगति को प्राप्त हुये। उनके शौर्य और बलिदान को देखते हुये उन्हें मरणापरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया।

देश के पहले परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा के नाम पर नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 6 का नामकरण किया गया है। ये चौथी कुमाऊँ रेजीमेंन्ट की डेल्टा कंपनी के अधिकारी थे। इन्होंने 1947 में पाकिस्तानी घुसपैठिये कबाइलियों के विरूद्ध अपनी टुकड़ी का नेतृत्व किया और मुंहतोड़ जवाब दिया और एक मोर्टार के विस्फोट में शहीद हुये थे, लेकिन इसके बाद भी पाकिस्तान के मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया। मेजर शर्मा देश के पहले परमवीर चक्र विजेता बने।

शहीद मेजर शैतान सिंह के नाम पर वार्ड क्रमांक 7 का नाम रखा गया है। मेजर शैतान सिंह ने भारत-चीन के 1962 के युद्ध में करीब 17 हजार फीट की ऊँचाई पर हाड़ कपा देने वाली ठंड और बर्फीली हवाओं के बीच कुमाऊँ रेजीमेंट की 13वीं बटालियन के सैनिकों की अगुवाई करते हुये चीनी सैनिकों के दांत खट्टे कर दिये और उन्हें भागने पर मजबूर कर दिया।

सूबेदार जोगिंदर सिंह के नाम पर नवगठित नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 8 का नामकरण किया गया है। उन्होंने 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान अदम्य साहस दिखाते हुये चीनी सैनिकों पर भीषण हमला किया। इस बीच सूबेदार जोगिंदर सिंह को गोली लगी लेकिन उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुये चीनी सैनिकों के छक्के छुड़ा दिये। सर्वोच्च बलिदान देनें और सैनिकों को युद्ध के दौरान प्रेरित करने और अंत तक लड़ने के लिये भारत सरकार ने उन्हें परमवीर चक्र से सम्मानित किया।

कैप्टन मनोज कुमार पांडे के नाम पर वार्ड क्रमांक 9 का नामकरण किया गया है। कैप्टन मनोज कुमार पांडे ने कारगिल युद्ध में 3 जुलाई 1999 को भारत मां की रक्षा करते हुये 24 साल की उम्र में सर्वोच्च बलिदान देकर इतिहास में अमर हो गये। परमवीर चक्र से से सम्मानित मेजर रामस्वामी परमेश्वरम के नाम पर पर वार्ड क्रमांक 10 का नाम रखा गया है। वे वीरता की अद्भुत मिसाल कायम करते हुये 25 नवंबर 1987 को शांति अभियान के दौरान श्रीलंका में शहीद हुये थे। सीने में गोली लगी होने के बाद भी उन्होंने 6 उग्रवादियों को ढेर कर दिया था। उनके इस साहसपूर्ण कार्य के लिये उन्हें परमवीर चक्र से नवाजा गया।

सेकेंड लेफ्टिनेंट राम राघोबा राणे के नाम पर वार्ड क्रमांक 11 का नाम रखा गया है। उन्होंने 1948 में पाकिस्तान के कबाइलियों के हमले में वीर से परमवीर हो गये। उन्होंले लगातार 3 दिन तक बिना खाये-पिये पाकिस्तानी फौजियों से डटकर मुकाबला किया। उनके इस योगदान पर उन्हें जीवित रहते ही परमवीर चक्र से नवाजा गया।

शहीद अब्दुल हमीद के नाम पर वार्ड क्रमांक 12 का नाम रखा गया है। शहीद अब्दुल हमीद ने 1965 के भारत पाकिस्तान की लड़ाई में खेमकरन सेक्टर में पाकिस्तान के 7 पैटर्न टैंकों के परखच्चे उड़ा दिये। इसी दौरान वे दुश्मनों से लड़ते हुये शहीद हो गये। लेकिन उन्होंने शहीद होने से पहले दुश्मनों के दांत खट्टे कर दिये। उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र दिया गया।

शहीद अल्बर्ट एक्का 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में जख्मी होने के बावजूद दुश्मन की सेना की छक्के छुड़ा दिये और हैण्ड ग्रेनेड से पाकिस्तानी बंकर उड़ा दिये और अंततः शहीद हो गये। श्री एक्का को मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। इनके नाम पार वार्ड क्रमांक 13 का नामकरण किया गया।

कैप्टन गुरबचन सिंह सालारिया के नाम पर वार्ड क्रमांक 14 का नामकरण किया गया है। उन्होंने सन 1961 में कांगों में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के दौरान अद्भुत वीरता का प्रदर्शन किया था।

लांस नायक करम सिंह के नाम पर वार्ड क्रमांक 15 का नाम रखा गया है। उन्हें 1947-1948 के भारत पाकिस्तान युद्ध में तिथवाल सेक्टर में अदम्य वीरता के लिये उन्हें परमवीर चक्र प्रदान किया गया।

किसानों को 10 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

समाधान योजना में लापरवाही करने पर ट्रांसफर नहीं डिमोशन होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

समाधान योजना में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार उपलब्धि नहीं प्राप्त होने तथा कार्य में लापरवाही पर अधिकारियों का ट्रांसफर नहीं डिमोशन किया जायेगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह बात समाधान योजना की प्रगति की ऑनलाइन समीक्षा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि रबी सीजन में किसानों को हर हाल में 10 घंटे की विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें। मंत्री श्री तोमर ने सर्किलवार योजना की प्रगति की समीक्षा की।

योजना में अव्वल आने पर मिलेंगे 50 हजार

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि समाधान योजना में जो सर्किल सबसे अच्छी उपलब्धि अर्जित करेगा, उसके अधीक्षण यंत्री को 50 हजार रूपये का इनाम दिया जायेगा। कंपनी क्षेत्रान्तर्गत प्रथम सर्किल को 25 हजार रूपये और सर्वश्रेष्ठ सहायक यंत्री को 11 हजार रूपये का पुरस्कार दिया जायेगा। संबंधित के गोपनीय चरित्रावली में भी इसकी इंट्री की जायेगी।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि जिन उपभोक्ताओं के 2 लाख रूपये से अधिक के बिजली बिल बकाया हैं, उनसे मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता स्वयं बात करें। इसका डिटेल मंत्री कार्यालय को भी दें। उन्होंने कहा कि प्रथमतः बड़े बकायादारों से सख्ती से वसूली करें। कंपनी की आर्थिक स्थिति ठीक करने के लिए यह कार्य जरूरी है। वरिष्ठ अधिकारी लगातार फील्ड का भ्रमण करें। समाधान योजना में अभी तक 578 करोड़ 22 लाख रूपये जमा हुए हैं। बिजली उपभोक्ताओं के 264 करोड़ 17 लाख रूपये के सरचार्ज माफ किये गए हैं। सर्वाधिक 382 करोड़ 72 लाख रूपये मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के क्षेत्र में जमा हुए हैं। योजना का प्रथम चरण 31 जानकारी तक चलेगा। सचिव ऊर्जा विशेष गढ़पाले ने कहा कि लंबित बिजली बिल जमा नहीं करने वालों के बिजली कनेक्शन काटे जायें। उन्होंने कहा कि लक्ष्य के अनुसार वसूली जरूरी है। इस दौरान एम.डी. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी श्री अनय द्विवेदी, एम.डी. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी श्री अनूप सिंह सहित सभी अधिकारी बैठक में ऑनलाइन शामिल हुए।

शिक्षक एवं कर्मचारियों के हितों के मुद्दों पर आंदोलन की बनाई रणनीति

एनएमओपीएस द्वारा आहुत संयुक्त संगोष्ठी राजधानी भोपाल मप्र के विभिन्न शिक्षक एवं कर्मचारी संघों के प्रदेशाध्यक्षों एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति रही। संगोष्ठी में नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता, पुरानी पेंशन योजना तथा ई-अटेंडेंस से संबंधित ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दों पर विस्तृत, गंभीर एवं सार्थक चर्चा की गई।इस संयुक्त संगोष्ठी में पुरानी पेंशन बहाली संघ के साथ-साथ अन्य सहयोगी संघों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने विचार एवं सुझाव रखे। आज़ाद अध्यापक संघ संयोजक एवं कर्मचारी कल्याण कोष प्रवक्ता द्वारा एकजुटता के साथ सवर्गहित में सामूहिक एकता पर ब्लॉक दिया और कहा सभी संघ व नेतृत्व कर्ता संघ संवर्ग से, संवर्ग के लिए है एवं समस्या व मांग संवर्ग की है अतः समस्त संघो के संघर्षरत पदाधिकारी एकजुटता के साथ एक भाव, एक मंच से प्रयास करेंगे तो निश्चित ही सफलता मिलेगी और मुझे एवं संवर्ग को विश्वास है कि वो संवर्ग हित में ही कुछ अच्छे निर्णय लेंगे से है कटनी से जिलाध्यक्ष रामाधार 'सोनू' सरावगी, कर्मचारी कल्याण कोष जिलाध्यक्ष अखिलेश पांडेय,आज़ाद अध्यापक संघ संगठन मंत्री किशन लाल भुमियाँ सहित अन्य पदाधिकारीगणों की उपस्थिति रही। विभिन्न संघों ने एकजुट होकर शिक्षक एवं कर्मचारी हितों से जुड़े मुद्दों पर संयुक्त साझा संघर्ष की रणनीति तैयार करने तथा आगामी आंदोलन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने का निर्णय लिया गया।

सरकारी ठेकेदार बनकर व्यापारी को लगाई एक लाख 45 हजार रूपए की चपत, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

भवन निर्माण सामग्री का विक्रय करने वाले दुकानदार को एक ठग ने करीब डेढ़ लाख रूपए का चूना लगा दिया। पीड़ित द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। मामला माधवनगर थाना क्षेत्र का है। शातिर ठग ने खुद को बड़ा सरकारी ठेकेदार बताकर हार्डवेयर व्यापारी से 500 बोरी सीमेंट मंगवाई और भुगतान किए बिना उसे किसी अन्य को बेच दिया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फरियादी व्यापारी कृष्ण किशोर कटारिया निवासी बंगला लाइन ने बताया कि वह हार्डवेयर एवं बिल्डिंग मटेरियल का व्यवसाय करते हैं।

पुलिस को दी गई शिकायत में दुकानदार ने बताया कि 31 अक्टूबर 2025 को राजेश दुबे उर्फ रितेश नामक व्यक्ति उनके प्रतिष्ठान पर पहुँचा और स्वयं को सरकारी ठेकेदार बताया। आरोपी ने विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए बड़ी मात्रा में सीमेंट की जरूरत बताई और भरोसा दिलाने के लिए अपनी चेकबुक दिखाते हुए करोड़ों के कारोबार का दावा किया। उसकी बातों में आकर व्यापारी ने 290 रुपये प्रति बोरी की दर से कुल 1 लाख 45 हजार रुपये मूल्य की 500 बोरी सीमेंट ट्रक क्रमांक MP 19 HA 3941 से कौड़िया गांव भिजवा दी। सीमेंट से भरा ट्रक जब कौड़िया पहुँचा तो आरोपित ने जगह की कमी का बहाना बनाकर ट्रक को विशाल कुशवाहा के घर के सामने खड़ा करवा दिया। पीड़ित व्यापारी की गैरमौजूदगी का फायदा उठाते हुए आरोपी ने रात में ट्रक खाली करवा लिया, ड्राइवर को 1000 रुपये खर्ची देकर वापस भेज दिया और पूरी सीमेंट विशाल कुशवाहा को बेच दी। दूसरे दिन जब व्यापारी अपने भाई के साथ भुगतान लेने कौड़िया पहुँचा, तब उसे ठगी का पता चला। पूछताछ में सामने आया कि सीमेंट पहले ही बेच दी गई है।

माधवनगर थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी राजेश दुबे पहले भी इसी तरह कई लोगों को ठगी का शिकार बना चुका है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं के तहत राजेश दुबे और विशाल कुशवाहा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस सीमेंट की बिक्री, ट्रक के

चोरी के मामले में धरा गया बदमाश, भेजा जेल

कटनी। रंगनाथ नगर पुलिस ने चोरी के मामले में कार्यवाही करते हुए 24 घंटे के अंदर केवल चोर को गिरफ्तार कर लिया बल्कि चोरी गया पूरा सामान भी बरामद कर लिया है। थाना प्रभारी अरुण पाल सिंह ने बताया कि विगत 4 जनवरी को रविन्द्र मिश्रा 48 साल नि.साईपुरम कालोनी थाना एन.के.जे. कटनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह एल.एन.टी प्लांट मुडवारा मे सिक्युरिटी गार्ड का काम करता है। उसने शिकायत दर्ज कराते हुए कहा था कि एल.एन.टी. प्लांट केविन के पीछे का खिडकी का कांच तोड़ कर उसके अंदर रखा मोनीटर, सी.पी.यू, यू.पी.एस. कोई अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया है। चोरी की शिकायत सामने आते ही तत्काल टीम गठित कर शहर के विभिन्न स्थानो में रवाना किया गया। कड़ी मशक्कत की बाद आरोपी आशीष उर्फ टिंकू पिता स्वर्गीय उमेश दाहिया उम्र 35 निवासी रामनिवास सिंह वार्ड को गिरफ्तार किया गया। चोरी गये मोनीटर, सी.पी.यू, यू.पी.एस. को जप्त कर आरोपी को जेल भेजा गया।

नशे में वाहन चलाने एवं ओवरलोडिंग पर 1 लाख 16 हजार रूपए का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

यातायात पुलिस के द्वारा विगत 31 दिसंबर 2025 एवं 1 जनवरी 2026 की दरम्यानी रात नव वर्ष के उपलक्ष्य में शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए यातायात थाना प्रभारी राहुल पांडे ने बताया कि यातायात पुलिस द्वारा झिंझरी तिराहे में प्वाइंट लगाकर सघन वाहन चैकिंग करते हाय 11 वाहनों एलपीटी, ट्रक, कार, मोटर साइकिल जब्त किए गए। संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर न्यायायल की कार्यवाही की गई थी। उक्त प्रकरणों में आज 05 जनवरी को माननीय न्यायालय पेश किया गया। न्यायालय द्वारा संबंधित वाहन चालकों पर 10000-10000 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया एवं 01 ओवरलोड चालक के विरूद्ध 26000 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया गया। न्यायालय द्वारा उक्त 10 वाहन चालकों के विरुद्ध कुल 116000 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया गया।

एसडीएम ने समीक्षा बैठक में कहा पटवारी पंचायत मुख्यालयों में बैठें

फार्मर आईडी, किसान सम्मान निधि, ईकेवायसी की बढ़ाये प्रगति

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए आपसी समन्वय और टीम वर्क के साथ कार्य करें। जिन समस्याओं का निराकरण स्थानीय स्तर पर संभव है, उसके लिए आम नागरिकों को भटकना न पड़े, यह सुनिश्चित किया जाए। तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक व पटवारी मूलभूत समस्याओं के निपटारे के प्रति संवेदनशील बनें और नियमित तौर पर फील्ड विजिट करें।

कार्य में लायें तेजी

उक्त निर्देश बहोरीबंद एसडीएम राकेश चौरसिया ने सोमवार को आयोजित राजस्व समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में तहसीलदार नेहा जैन, नायब तहसीलदार राजकुमार नामदेव, आकाशदीप नामदेव सहित पटवारी व कोटवार मौजूद रहे।एसडीएम ने किसानों के फार्मर आईडी बनाने के कार्य को अभियान स्वरूप में प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। इस कार्य में तेजी लाने और भू-स्वामियों की सुविधा की दृष्टि से तहसील स्तर पर हेल्प डेस्क स्थापित की जाये। किसानों और भूमि-स्वामियों से आग्रह किया गया है कि न्यायालयीन या अन्य कार्य से तहसील आने वाले किसान अपना आधार नंबर अवश्य साथ लायें ताकि हेल्प डेस्क से तत्काल फार्मर आईडी बनाई जा सके।

फार्मर आईडी आवश्यक

फार्मर आईडी बनाने के कार्य में स्थानीय युवाओं का सहयोग भी प्राप्त करें।भविष्य में खाद प्राप्त करने सहित अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए फार्मर आईडी को आवश्यक किया गया है।

एसडीएम राकेश चौरसिया ने निर्देशित किया कि पटवारियों को प्रत्येक मंगलवार और गुरुवार को प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक पंचायत भवन में उपस्थित रहे।

इस निर्देश का सख्ती से पालन करें, अनुपस्थिति पर कार्रवाई की जाएगी। पटवारी की उपलब्धता होने से जनसामान्य के राजस्व संबंधी कार्य सहजता से हो सकेंगे।

साथ ही वनाधिकार पट्टा, स्वामित्व आबादी सर्वे, स्वामित्व योजना ,पी एम किसान से आधार बैंक लिंकिंग, आरसीएमएस पोर्टल, अभिलेख दुरूस्ती,साइबर तहसील, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत प्रकरणों के निपटारे को लेकर भी निर्देश दिए गये।

राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शोभित दुबे का हुआ चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

सागर में आयोजत एथलेटिक्स प्रतियोगिता में स्टेट बोल्ट एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हेडल्ट्स 110 मीटर प्रतियोगिता जिसमे जबलपुर, भोपाल, उज्जैन, इंदौर, सागर, रीवा, ग्वालियर सात जिला की टीमों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता सागर में आयोजित हुई। प्रतियोगिता में ग्राम बड़वारा निवासी शोभित दुबे जो कि सरस्वती विद्या मंदिर बड़वारा के प्रधानाचार्य पण्डित राजेश दुबे एवम श्रीमती मनीषा दुबे के सुपुत्र हैं। श्रीराम महा विद्यालय जबलपुर से हेडल्स 110 मीटर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। शोभित दुबे नेशनल प्रतियोगिता हेतु बैंगलोर के लिए चयनित किये गए हैं। प्रतियोगिता में जबलपुर, भोपाल,उज्जैन, इंदौर, सागर, रीवा,ग्वालियर के टीमें सम्मलित हुईं।

शोभित दुबे के चयन किये जाने पर बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह, संतोष दुबे, अरुण निगम, रामलाल नामदेव, राजनारायण निगम (टेमल निगम) हीरा लाल दुबे, राकेश निगम एवम ग्राम के प्रबुद्ध जनों ने शोभित को ग्राम का नाम रोशन करने पर बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की हैं एवम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

खबर संक्षेप

गजानन टेकरी पर आज मंगलवार को लगेगा तिल गणेश मेला

दमोह। स्थानीय गजानन टेकरी संतोषी माता मंदिर परिसर में 06 जनवरी 2026 को तिल गणेश मेला का आयोजन किया जाएगा। गजानन टेकरी मंदिर समिति के व्यवस्थापक दिलीप चौरसिया, सकल हिन्दू समाज जिला दमोह के अध्यक्ष कपिल सोनी,विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष अजय अंजू खत्री, बजरंग दल जिला संयोजक गोलू चौबे,सकल हिन्दू समाज के युवा जिलाध्यक्ष मोंटी रैकवार ने बताया कि गजानन टेकरी संतोषी माता मंदिर पर प्रतिवर्ष प्राचीन तिल गणेश मेला का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 06 जनवरी को गजानन टेकरी पर तिल गणेश मेला का आयोजन सुबह 9 बजे विधिवत पूजन अर्चन कर किया जाएगा। मेला आयोजन समिति द्वारा समस्त धर्म प्रेमियों से मेला में पहुंचने की अपील की गई है।

संचार संकर्म समिति की बैठक 7 जनवरी को

कटनी। संचार संकर्म समिति की बैठक का आयोजन 7 जनवरी 2026 को दोपहर 1 बजे से जिला पंचायत के सभागार में किया जाएगा। बैठक में लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल विकास निगम, राजीव गांधी शिक्षा मिशन, आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा 2 वर्ष में कराये गये निर्माण कार्यों की समीक्षा की जायेगी। संचार संकर्म समिति के सचिव ने बैठक मे सभापति अजय कुमार गौटिया सहित सदस्य संचार संकर्म समिति जिला कटनी सर्व श्रीमती शीला सिंह, सुश्री माला मौसी, श्रीमती कविता पंकज राय के साथ-साथ सभी संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को मौजूद रहने का आग्रह किया है।

किसान 9 जनवरी तक करा लें स्लॉट बुक

कटनी। राज्य शासन द्वारा जारी उपार्जन नीति के अनुसार जिले के किसानों से समर्थन मूल्य पर धान के विक्रय के लिये 9 जनवरी तक स्लॉट बुक कर लेने का आग्रह किया गया है, ताकि उन्हें अपनी उपज के समर्थन मूल्य पर विक्रय में किसी तरह की कठिनाई का सामना न करना पड़े। जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि शासन द्वारा जारी धान उपार्जन नीति के क्रियान्वयन की मानक प्रक्रिया के अनुसार किसानों द्वारा अपनी उपज के विक्रय के लिए उपार्जन के अंतिम 10 दिवस को छोड़कर ही स्लॉट बुक किये जा सकेंगे तथा बुक किये गये स्लॉट की वैधता अवधि सात कार्य दिवस होगी।

समाधान योजना के प्रथम चरण की अवधि में किया विस्तार

कटनी। मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 के प्रथम चरण की अवधि एक माह और बढ़ा दी गई है। उन्होंने बताया कि बकायादार उपभोक्ताओं की सतत भागीदारी और उनके उत्साह को देखते हुए योजना के प्रथम चरण की अवधि अब 31 जनवरी 2026 कर दी गई है।

सरकार मनाती रही राजस्व पखवाड़ा, पटवारी ने कर दिया खेल

दस साल पहले बिकी जमीन दस साल बाद सरकारी पखवाड़े में 40 डिसमिल बढ़ गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ तेंदूखेड़ा

सरकारें किसानों के हितों के लिए बढ़े बढ़े दावे करे, अभियान चलाए, पखवाड़ा मनाए लेकिन जब तक जमीन पर कार्य करने वाली सरकारी कर्मचारी ईमानदार नहीं होंगे, किसानों को राहत मिलने वाली नहीं है। मध्यप्रदेश शासन ने किसानों की जमीन संबंधी समस्याओं को लेकर तीन चरणों में राजस्व महाअभियान चलाया। प्रत्येक जिलें में कलेक्टर को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई, स्पेशल मॉनिटरिंग की गई। लेकिन जमीन पर काम करने वाले राजस्व क्षेत्र के कर्मचारी सरकार के इस पखवाड़े की आड़ में ही खेल खेल गए। तेंदूखेड़ा जनपद में दस साल पहले बिक चुकी जमीन दस बाद अचानक बढ़ गई। इतना ही नहीं दस साल पहले बेची गई जमीन दस साल बाद फिर से विक्रेता का नाम चढ़ गई। आश्चर्य की बात ये कि जब राजस्व विभाग के कर्मचारी लाल पीला कर रहे थे तब सरकार किसानों के जमीनों के रिकार्ड, नामांतरण, जमीन दुरुस्तगी, बंटवारे के लिए राजस्व पखवाड़ा मना रही थी। सरकारी अभियान को अंगूठा दिखाते हुए पटवारी और राजस्व कर्मचारियों ने न सिर्फ फर्जीवाड़ा किया बल्कि 40 डिसमिल जमीन बढ़ा भी दी। विभाग में बैठे एडीएम से लेकर पटवारी तक किसानों को वास्तव में इंसान ही नहीं समझते। किसी की जमीन अपने आप घट जाती है, किसी की बढ़ जाती है। यहां तक कि आदिवासियों की जमीन फर्जी आधार कार्ड, फर्जी दस्तावेजों के सहारे किसी दूसरे को बेच दी जाती है, जिसमें विभाग की मौन स्वीकृति होती है।

दस साल में बढ़ गई 40 डिसमिल जमीन

ऐसा चौंकाने वाला मामला जिले के तेंदूखेड़ा जनपद से सामने आया है, जिसने राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली और जमीन के रिकॉर्ड सिस्टम पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।मामला है फर्जी दस्तावेजों के सहारे जमीन बेचने का। जिसमें पटवारी और सर्विस प्रोवाइडर की संदिग्ध भूमिका सामने आ रही है।दरअसल , जिले के तेंदूखेड़ा तहसील में साल 2015 में विक्रेता विपदा बाई घोसी ने चौराई मौजे की खसरा नम्बर 440, 441/2 की कुल 50 डिसमल कृषि भूमि गांव के ही रहने वाले धूरसिंग और फूलसींग उर्फ तोड़ल को विधिवत बेची थी। बाकायदा राजस्व विभाग के नियमानुसार तहसीलदार ने कृषि भूमि का नामांतरण आदेश जारी किया। जिसके बाद से उक्त कृषि भूमि पर धूरसिंग और फूलसींग उर्फ तोड़ल काबिज है। लेकिन हैरानी तो तब हुई जब करीब 10 साल बीत जाने के बाद, उसी भूमि को पटवारी और सर्विस प्रोवाइडर की मिलीभगत से तैयार किए गए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मालिकाना हक जताते विपदा बाई ने तीसरे व्यक्ति को जमीन दोबारा बेच दी। विपदा बाई घोसी के जमीन बेचने के पीछे भी एक राज छुपा हुआ है।जानकारी के मुताबिक पौड़तिों का आरोप है कि साल 2017-18 में पखवाड़ा अभियान के तहत तत्कालीन पटवारी ने नया खसरा नम्बर 441/2 राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करते हुए किसान विपदा बाई के नाम से 40 डिसमल अतिरिक्त कृषि भूमि खाते में जोड़ दी। जबकि विपदा बाई साल 2015 में सिर्फ 50 डिसमल कृषि भूमि का मलकाना हक रखती थीं जिसे उन्होंने धूरसिंग और फूलसिंग उर्फ तोड़ल को बेच दिया था। फिर ऐसे में सवाल उठता है कि बिना किसी आदेश के पटवारी ने 40 डिसमल अतिरिक्त भूमि जोकि विपदा बाई घोसी की थी ही नहीं उसे कैसे महिला किसान के नाम पर राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कर दी गई?धूरसिंग के बेटे परषोतम घोसी का आरोप है कि जमीन के राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर, नामांतरण प्रक्रिया से छेड़छाड़, और डिजिटल सिस्टम का दुरुपयोग कर यह पूरा खेल खेला गया है।जिस जमीन का सौदा वर्षों पहले हो चुका था, उसे पटवारी और सर्विस प्रोवाइडर की मिलीभगत से कागजों में फिर से जिंदा कर दिया गया। पटवारी स्तर पर रिकॉर्ड में बदलाव किसके आदेश पर हुआ? सर्विस प्रोवाइडर को मनमर्जी की छूट किसने दी?क्या यह सिर्फ एक मामला है, या फिर जिले में चल रहे ज़मीन घोटालों की एक बड़ी कड़ी। इस जमीन में 1/2 के हकदार पीड़ित फूलसिंग उर्फ तोड़ल घोसी का कहना है कि जब उन्हें इस फर्जीवाड़े की जानकारी मिली, तो वे हैरान हो गये और आनन फानन में तहसीलदार डॉ विवेक व्यास की कोर्ट में हाजिर होकर न्याय की गुहार लगाते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। फिलहाल इस पूरे मामले में प्रशासन की ओर से कोई ठोस बयान सामने नहीं आया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि यदि जांच ईमानदारी से हुई, तो कई और नाम बेनकाब हो सकते हैं।

इनका कहना है

अभी कुछ समय पहले ही मामला समाने आया है कि एक ही जमीन की दो बार रजिस्ट्री कर दी गई है, पटवारी को जांच के लिए भेजा, जांच प्रतिवेदन के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। - **डॉ विवेक व्यास, तहसीलदार, तेंदूखेड़ा**

नो- मैपिंग मतदाताओं का सत्यापन शुरू, 5 जनवरी से शुरू हुई सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ हटा

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नो-मैपिंग मतदाताओं के सत्यापन की प्रक्रिया विगत सोमवार से शुरू की गई है। हटा एसडीएम राकेश मरकाम ने बताया कि जिन मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो पाई है, उनके पिछले एसआईआर की मतदाता सूची के विवरण या तो घोषणा पत्र में उपलब्ध नहीं हैं अथवा डाटाबेस से मेल नहीं खाते ऐसे मतदाताओं को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा नोटिस तामील कराए गए हैं। नोटिस की पावती प्राप्त करने के बाद 7 दिवस के भीतर निर्धारित 13 प्रकार के दस्तावेजों के आधार पर सत्यापन किए जाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। सत्यापन उपरांत आवश्यकतानुसार नाम जोडने या हटाने की कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने बताया कि हटा विधानसभा क्षेत्र में नोटिस तामीली के बाद सुनवाई की प्रक्रिया 5 जनवरी 2026 से प्रारंभ हो गई है। नोटिस प्राप्त होने पर संबंधित मतदाताओं को निर्धारित श्रेणी के अनुसार आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। विधानसभा क्षेत्र में कुल 371 नो-मैपिंग मतदाता चिन्हित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि यदि किसी मतदाता का जन्म 01 जुलाई 1987 से पूर्व भारत में हुआ है, तो उन्हें स्वयं की जन्म तिथि अथवा जन्म स्थान से संबंधित प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। वहीं 01 जुलाई 1987 से 02 दिसंबर 2004 के बीच जन्मे मतदाताओं को स्वयं के साथ-साथ पिता या माता के जन्म तिथि अथवा जन्म स्थान का प्रमाण देना होगा। 02 दिसंबर 2004 के बाद भारत में जन्मे मतदाताओं को स्वयं, पिता एवं माता के जन्म से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। यदि माता-पिता में से कोई भारतीय नागरिक नहीं है, तो जन्म के समय उनके वैध पासपोर्ट एवं वीजा की प्रति भी देना अनिवार्य होगी। इसके अतिरिक्त, यदि किसी मतदाता का जन्म भारत के बाहर हुआ है, तो विदेशी स्थित भारतीय मिशन द्वारा जारी जन्म पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। नागरिकता पंजीकरण अथवा प्राकृतिककरण के माध्यम से नागरिकता प्राप्त करने वाले मतदाताओं को नागरिकता पंजीकरण प्रमाण-पत्र संलग्न करना होगा।

निर्वाचन आयोग द्वारा दस्तावेजों की एक सांकेतिक सूची भी जारी की गई है, जिनमें केंद्र अथवा राज्य सरकार या सार्वजनिक उपक्रम द्वारा जारी पहचान पत्र, पेंशन भुगतान आदेश, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण-पत्र, पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय का शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, स्थायी निवास प्रमाण-पत्र, वन अधिकार प्रमाण-पत्र, ओबीसी/ एससी/ एसटी अथवा अन्य जाति प्रमाण-पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहां उपलब्ध हो), राज्य या स्थानीय निकाय द्वारा तैयार परिवार रजिस्टर, सरकार द्वारा जारी भूमि या मकान आवंटन प्रमाण-पत्र, आधार से संबंधित प्रावधान आयोग के पत्र के अनुसार लागू होंगे। प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि नोटिस प्राप्त होने पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर सही एवं पूर्ण दस्तावेज प्रस्तुत करें, ताकि मतदाता सूची त्रुटिरहित तैयार की जा सके और कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रहे।

प्रदेश सरकार कर्मचारियों पर भी ध्यान दे- राकेश सिंह हजारी

दमोह। म.प्र.शासकीय लिपिकीय कर्मचारी संघ के प्रदेश संरक्षक राकेश सिंह हजारी द्वारा मध्यप्रदेश शासन पर आरोप लगाया है कि प्रदेश सरकार करीब प्रत्येक माह करोड़ो रूपयों का कर्ज ले रही है, किन्तु प्रदेश को सुचारू रूप से योजनाओं का क्रियान्वयन करने वाले सभी कर्मचारियों को मंहगाई भत्ता स्वीकृत नहीं कर रही है, केन्द्रीय कर्मचारियों को मंहगाई भत्ता माह जुलाई 2025 में स्वीकृत होकर उसका लाभ प्राप्त कर रहे है, इसी माह जनवरी 2026 में पुनः केन्द्र सरकार अपने कर्मचारियों का मंहगाई भत्ता बढ़ाने वाली है, देश के सभी राज्य सरकारों द्वारा अपने कर्मचारियो को मंहगाई भत्ता दिया जा चुका है, किन्तु प्रदेश सरकार अपने कर्मचारियों को मंहगाई भत्ता स्वीकृत ना करना अपने आप में प्रश्नचिन्ह अंकित करता है, देश-प्रदेश में मंहगाई चरम सीमा पर हो चुकी है, किन्तु इस ओर उनका ध्यान नहीं देना, कर्मचारियों को मानसिक रूप से ग्रसित करना स्वयं प्रमाणित कर रहा है, इसी प्रकार सेवानिवृत्त पेंशन धारियों के साथ हो रहा है, पहले जब मध्यप्रदेश सरकार मंहगाई भत्ता स्वीकृत करती है उसके बाद छत्तीसगढ़ सरकार अपनी सहमति देने के उपरांत ही प्रदेश के पेंशनरों को लाभ दिया जाता है, इस प्रक्रिया में करीब दो से तीन माह तक लग जाते है, तदोपरांत पेंशनरों को इसका लाभ प्रदेश सरकार अपनी सुविधा के तहत लागू करती है, जिससे पेंशनर्स जो कि अल्प पेंशन प्राप्त कर रहे है उसका समय पर लाभ प्राप्त नहीं हो पा रहा है। म.प्र.शासन कर्मचारियों को आन्दोलन जैसे कदम उठाने के लिये विवश होना स्वभाविक है। शासन से आपेक्षा की जाती है कि केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही मंहगाई भत्ते का यथा समय पर ही प्रदेश सरकार को अपने कर्मचारियों/ पेंशनरों का मंहगाई भत्ता स्वीकृत करें।

26 जनवरी 'भारत पर्व' पर इस बार निजी व्यक्ति व संस्थाएं भी होंगी सम्मानित

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा कि 26 जनवरी अब निकट है और इसके आयोजन में लगभग 20–21 दिन शेष हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी 26 जनवरी 'भारत पर्व' के अवसर पर पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, लेकिन इस बार इसके स्वरूप में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है। कलेक्टर श्री कोचर ने बताया अब तक 'भारत पर्व' के दौरान केवल शासकीय कर्मचारियों को ही सम्मानित किया जाता था, लेकिन इस वर्ष पहली बार निजी व्यक्ति एवं निजी संस्थाओं को भी पुरस्कार के लिये अवसर दिया गया है। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा एक गूगल शीट लॉन्च की गई है, जिसे सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया गया है। कलेक्टर श्री कोचर ने बताया इस बार शासकीय अधिकारी-कर्मचारी, शासकीय संस्थाएं, निजी व्यक्ति एवं निजी संस्थायें सभी से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, आवेदन के लिए अंतिम तिथि 15 जनवरी निर्धारित की गई है, इसके बाद चयन समिति द्वारा प्राप्त आवेदनों की स्कूटनी की जाएगी।

गौमुखधाम में अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन

मडियादो। मडियादो में वफ़रक्षेत्र प्रबंधन द्वारा गौमुखधाम में अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में वर्धा ओर पाली हाईस्कूल के 105 छात्रों ने भाग लिया। हालांकि स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा इस कार्यक्रम से दूरी बनाई गई ओर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि या कोई भी ग्रामीण शामिल नहीं हुआ। इसका कारण वफरक्षेत्र प्रबंधन द्वारा क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं ओर गरीब तबके के मजदूर वर्ग को बेवजह परेशान करना बताया जा रहा है।वहीं कार्यक्रम में छात्रों को वर्धा ओर पाली से लाने में प्रबंधन द्वारा लापरवाही बरती गई। बिना टेक्सी परमिट के वाहनों से छात्रों को गौमुख तक लाया गया। इस दौरान चार पहिया वाहनों में क्षमता से अधिक छात्र लाए गए। वफ़रक्षेत्र प्रबंधन द्वारा बजट की कमी के चलते ऐसा करना बताया जा रहा है।

समाधान योजना से लौटी रौशनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिग्रामपुर

कई दिनों से अंधेरे में डूबा ग्राम भजिया का हरिजन मोहल्ला आखिरकार फिर से रोशन हो गया। विद्युत विभाग की समाधान योजना के तहत यहां 25 केवीए का नया ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाने के बाद विद्युत आपूर्ति पूरी तरह सुचारू हो गई है। लंबे समय से ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जैसे ही नया ट्रांसफार्मर लगाया गया और बिजली चालू हुई, पूरे गांव में खुशी और संतोष का माहौल देखने को मिला। इस मौके पर जबेरा विद्युत विभाग के अभियंता महेश कुमार महतो ने बताया कि श्रीमान अधीक्षक अभियंता, दमोह वृत्त के निर्देशानुसार ग्राम भजिया का खराब ट्रांसफार्मर तत्काल बदला गया है। समाधान योजना के अंतर्गत नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर ग्रामीणों की समस्या का समाधान किया गया है। उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग क्षेत्र में लगातार कार्य कर रहा है ताकि कोई भी नागरिक मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे। ग्रामीणों ने बिजली बहाल होने पर राहत की सांस ली और विद्युत विभाग के इस त्वरित कार्य के लिए आभार व्यक्त किया।

पंचवटी धाम में श्रीमद् भागवत कथा में उमड़े श्रद्धालु

तेंदूखेड़ा। पंचवटी धाम परिसर में कार्तिक महिला मंडल द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन भक्ति, ज्ञान और वैराग्य से परिपूर्ण वातावरण देखने को मिला। कथा व्यास पंडित प्रेम नारायण शास्त्री जी (वृंदावन धाम, समनापुर) ने अपने प्रभावशाली प्रवचनों के माध्यम से श्रोताओं को आध्यात्मिक संदेश प्रदान किया। कथा व्यास ने कहा कि "सुखी वही है जो भगवान की शरण में आता है। कल पर मत जियो, क्योंकि कब जीवन का टिकट कट जाए, इसका कोई भरोसा नहीं है। इसलिए निरंतर भगवान का स्मरण करते रहना चाहिए।" उन्होंने बताया कि जब मनुष्य भगवान के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित हो जाता है, तब उसे किसी भी प्रकार की चिंता नहीं सताती। हमें केवल अपनी चिंता न कर दूसरों की चिंता करते हुए सेवा भाव से जीवन व्यतीत करना चाहिए। उन्होंने बताया कि 84 लाख योनियों में भ्रमण करने के बाद भगवान की कृपा से मनुष्य जन्म प्राप्त होता है, जो अत्यंत अनमोल है। इस जन्म का उद्देश्य केवल भोग-विलास नहीं, बल्कि ईश्वर भक्ति और आत्मकल्याण है। मनुष्य का चेहरा घड़ी का काम करता है, जो उसके आंतरिक भावों और कर्मों को दर्शाता है। दूसरे दिन की कथा में भगवान विष्णु के 24 अवतारों का विस्तार से वर्णन किया गया। साथ ही महर्षि सुखदेव एवं राजा परीक्षित के जन्म की प्रेरक कथा सुनाई गई। इसके अतिरिक्त धुंधकारी और कोकण की कथा का मार्मिक वर्णन करते हुए पंडित प्रेम नारायण शास्त्री जी ने बताया कि किस प्रकार धुंधकारी अपने पाप कर्मों के कारण प्रेत योनि को प्राप्त हुआ और कोकण के द्वारा कराए गए श्रीमद् भागवत पाठ से उसका उद्धार संभव हुआ। इस कथा के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि भागवत कथा का श्रवण जीवन को पवित्र कर मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है। संगीतमय भजनों और कथा प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु कथा श्रवण हेतु उपस्थित रहे। अंत में आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कथा का समापन हुआ। आयोजकों ने बताया कि आगामी दिनों में भी श्रीमद् भागवत कथा के विभिन्न प्रेरक प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। आरती के पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया गया रात्रि में भजनों का आयोजन किया गया।

साहित्य सम्मेलन द्वारा 'यादों में नीरज' समारोह संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

म.प्र. हिन्दी साहित्य सम्मेलन मुख्यालय तथा दमोह इकाई के संयुक्त तत्वावधान में देश के अविस्मरणीय गीतकार गोपालदास नीरज जन्मशती "यादों में नीरज" समारोह होटल मंगलम के सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता सत्यमोहन वर्मा, मुख्य अतिथि ख्यात नवगीतकार यश मालवीय प्रयागराज, विशिष्ट अतिथि डॉ. भारती सिंह लखनऊ रहीं। कार्यक्रम के सूत्रधार प्रदेश अध्यक्ष पलाश सुरजन रहे। दीप प्रज्वलन व अतिथि सत्कार उपरांत भारती सिंह ने कहा कि कवि नीरज तथा उनका गीत रचना संसार एक विद्यालय की तरह था और आज भी है। जिसमें लोगों को उनके द्वारा सिखाया गया और लोग सीख भी रहे है। उनके समग्र गीत लेखन में गंभीर दृष्टि डालने से पता चलता है कि उन्होने भाषाओं का सम्मिश्रण कर गीत लिखे, जिसमें साहित्य, सौंदर्य का बोध सहज ही श्रोता एवं पाठक को हो जाता है। रचना उद्देश्य से संदेश तक की पूर्ति उनकी रचनाओं में समाहित है। मुख्य अतिथि यश मालवीय ने कहा कि मैं नीरज को यादकर, अपने पिता को यादकर रहा हूं, क्योंकि नीरज ने मुझे सिखाया है बनाया है। उन्होने ही यह सडक बनाई, हमे उस पर चलना सिखाया जिस पर मैं और अन्य रचनाकार चल रहे है। सृष्टि में जहां तक मुनष्य है, जीवन है, वहां तक के समस्त आयामों का चित्रांकन नीरज के गीत लेखन में समाया हुआ है। अध्यक्ष सत्यमोहन वर्मा ने कहा कि नीरज के स्मरण में कितना कहूं क्या कहूं, क्योंकि उनके गीत संसार को कहना उसी तरह से है जैसे दीवार की एक छोटी सी खिडकी से भीड़ को निकलने को कहा जाये। दमोह की धरती पर 1957 में पहली बार महाविद्यालय में पधारे थे। जिसमें उन्होने गीतों की विलक्षण प्रस्तुती दी थी, संपूर्ण जीवन वे शब्दों की महायात्रा करते रहे। प्राणपन से इस यात्रा को उन्होने पूरा किया। इस यात्रा का उनका एकमेव उद्देश्य एवं हम सबको संदेश था कि मैं कविता मनुष्य बनकर जानना चाहता हूं यही मेरा आदि है, यही मेरा अंत है। नीरज ने अपने गीतों में आम आदमी के दर्द को गाया है, कविता क्या है, गीत क्या है, हम सभी ने इसे नीरज से सीखा है। आज भी हम उनकी कविता की आत्मा के अंश को अपनी कविता में समाहित करे। जिससे कविता की सार्थकता सिध्द हो सके। आप सभी से निवेदन है कि उनकी रचनाएँ पढे। मैं संपूर्ण हृदय से श्रृध्दाभाव समपित करता हूं। विधायक जयंत मलैया, कलेक्टर सुधीर कोचर जी की उपस्थिति सराहनीय रही। कार्यक्रम में नगर के कवि, लेखक, साहित्यकार, पत्रकार और गणमान्य नागरिकों की बहुत संख्या में उपस्थिति रही। नीरज को समर्पित देश के ख्याति लब्ध कवि, शायर सीमा अग्रवाल मुंबई, इंदु श्रीवास्तव, अभय तिवारी, कुंदन सिध्दार्थ जबलपुर, बद्रवास्ती, अभिषेक वर्मा, रेखा कस्तवार, सुरेश गुप्ता भोपाल, राजकुमार महोबिया, संतोष द्विवेदी, कुलदीप द्विवेदी उमरिया, विभूति तिवारी शहडोल, दीपक अग्रवाल अनूपपुर, रोहित रूसिया छिंदवाडा, किशोर तिवारी 'केशू' दमोह ने रचना पाठ किया। विवेक चतुर्वेदी जबलपुर ने सफल संचालन किया। रचना पाठ के पूर्व अतिथियों द्वारा यादों में नीरज स्मारिका का विमोचन किया जाकर सबको प्रदान की गई। दमोह इकाई अध्यक्ष रमेश तिवारी द्वारा स्वागत वक्तव्य, सचिव मानव बजाज द्वारा आभार ज्ञापित किया गया।

श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए संस्कृति मंत्री

बनवार। बनवार चुड़का स्थित सिद्ध बाबा प्रांगण में आयोजित सप्तदिवसीय श्रीमद् भागवत कथा एवं भव्य मेले में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा के चौथे दिन कथा व्यास कृष्णकांत गौतम ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, वामन अवतार और श्रीराम चरित्र का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रोताओं को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। कथा के दौरान कथावाचक ने कहा कि भगवान युगों-युगों से अपने भक्तों के साथ स्नेह और प्रेम के रिश्ते को निभाने के लिए अवतार लेते आए हैं। वामन अवतार, श्रीराम जन्मोत्सव और भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का जीवंत वर्णन सुनकर पूरा पंडाल जयघोष से गूंज उठा। इस अवसर पर प्रदेश के संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने भागवत कथा में सम्मिलित होकर व्यासपीठ का आशीर्वाद लिया और श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि भगवान अपने भक्तों के साथ हर पल खड़े रहते हैं और प्रेम व भाव से अर्पित की गई वस्तु को उसी भाव से स्वीकार करते हैं। उन्होंने द्रौपदी और गजेंद्र की कथा का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस प्रकार भगवान ने द्रौपदी की पुकार पर उसका संकट हर लिया और कालरूपी मकर से गजेंद्र की रक्षा की, उसी प्रकार वे आज भी अपने सच्चे भक्तों की रक्षा करते हैं। मंत्री लोधी ने कहा कि अहंकार बुद्धि और ज्ञान का प्रतीक होता है, इसलिए मनुष्य को सदैव अहंकार त्याग कर भगवान का स्मरण करना चाहिए। कथा श्रवण के दौरान सरपंच नवल सिंह लोधी, सरपंच मंडल अध्यक्ष रिंकू जैन, विजय शंकर दुबे, सुभाष अहिरवार, मणि शंकर अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन स्थल पर चल रहे भव्य मेले ने धार्मिक उत्सव को और अधिक आकर्षक बना दिया। सिद्ध बाबा प्रांगण में चल रहा यह धार्मिक आयोजन क्षेत्र में आस्था, संस्कृति और सामाजिक समरसता का प्रतीक बनकर उभरा है।

हरिभूमि
दमोह भूमि

12

जबलपुर, मंगलवार 6 जनवरी 2026

login : www.haribhoomi.com

हटा | जबेरा | पथरिया | तेन्दूखेड़ा | तेजगढ़ | बटियागढ़ | हिण्डोरिया | बनवार | सिंगपुर | पटेरा | बांदकपुर | नरसिंहगढ़ | हिनौता | कुण्डलपुर

खबर संक्षेप

16 जनवरी से 1 फरवरी तक सजेगा बुंदेली मेला महोत्सव

दमोहः। बुंदेली संस्कृति, परंपरा और लोककला को समर्पित बुंदेली गौरव न्यास द्वारा आयोजित बुंदेली मेला महोत्सव 2026 का आयोजन इस वर्ष 16 जनवरी से 1 फरवरी तक किया जाएगा। यह बुंदेली मेला महोत्सव का 12वां वर्ष होगा। महोत्सव के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से सोमवार को प्रचार रथ को मलैया मिल परिसर से विधिवत रूप से पूजन अर्चन कर रवाना किया गया। इस अवसर पर बुंदेली गौरव न्यास के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। न्यास के सचिव प्रभात सेठ ने जानकारी देते हुए बताया कि बुंदेली गौरव न्यास द्वारा आयोजित यह मेला पिछले 11 वर्षों से लगातार सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है और इस वर्ष इसका 12वां संस्करण बुंदेली संस्कृति को और अधिक व्यापक पहचान दिलाएगा। इस अवसर पर मोहित संगतानी, अमरदीप जैन 'लालू', कृष्णा तिवारी, देवी सिंह राजपूत, संतोष रोहित सहित न्यास से जुड़े अनेक लोग मौजूद रहे।

भारतीय सफाई मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष बने सिकंदर खरारे

दमोह। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध भारतीय सफाई मजदूर संघ द्वारा दमोह जिले में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से नई जिला इकाई की घोषणा की गई है। संघ के सागर/दमोह विभाग के विभाग प्रमुख धर्मेंद्र चौबे की अनुशंसा एवं भारतीय सफाई मजदूर संघ के सागर संभाग अध्यक्ष व दमोह जिला प्रभारी दाऊ विरेंद्र सिंगोते की सहमति से सिकंदर खरारे को भारतीय सफाई मजदूर संघ, दमोह का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, नियुक्ति से जिले में संगठनात्मक कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद है। संघ नेतृत्व ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा व्यक्त की है।

शीतलहर से जन जीवन प्रभावित, कलेक्टर ने किया अवकाश घोषित

सर्दी का सितम जारीः न दिन में चैन न रात में राहत, कांपे लोग

मौसम विभाग के आंकड़े

- न्यूनतम तापमान : 6 .8 डिग्री
  (पिछले दिन से -4 .4 डिग्री कम रहा)
- अधिकतम तापमान : 19 .5 डिग्री
  (पिछले दिन से -0 .7 डिग्री कम रहा)

कलेक्टर ने शीतलहर एवं तापमान में आई गिरावट को दृष्टिगत रखते हुए जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त एवं मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थाओं की प्री-प्राइमरी से कक्षा 8 वी तक के विद्यार्थियों एवं आंगनवाड़ी के बच्चों हेतु 06 जनवरी 2026 का अवकाश घोषित किया है। इस दौरान परीक्षाएं एवं अन्य आवश्यक शैक्षणिक गतिविधियां यथावत संचालित रहेंगी तथा शिक्षक उक्त अवधि में शालेय कार्य संपादित करेंगे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

उफ यह कड़ाके की ठंड। न दिन में चैन, न रात में राहत दे रही हैं। हटा क्षेत्र में इन दिनों भीषण ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। सुबह से शाम और रात के समय घना कोहरा व ठंडी हवा के कारण तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। ठंड के चलते आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ठिठुरन भरी ठंड से सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, बच्चों और दिहाड़ी मजदूरों को हो रही है। सुबह-सुबह काम पर निकलने वाले लोगों को अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है। कई ग्रामीण इलाकों में लोग देर तक घरों में दुबके रहने को मजबूर हैं। ठंड का असर बाजारों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। सुबह के समय बाजार देर से खुल रहे हैं और ग्राहकों की संख्या भी कम नजर आ रही है। ठंड के कारण सड़कों पर सुनसान छाया हुआ है वहीं, ठंड से सर्दी, खांसी और बुखार जैसी बीमारियों के मरीजों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ सकती है, ऐसे में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। शाम होते ही उत्तर भारत की तरफ से आ रही ठंडी हवाओं का असर हटा क्षेत्र में पड़ने से हाड़ कंपा देने वाली कड़ाके की ठंड लगने लगी। सर्दी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लोगों को दिन में भी गर्म कपड़े, हीटर व अलाव का सहारा लेना पड़ा, इसके बावजूद ठंड से राहत नहीं मिल पा रही है। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात्रि से घना कोहरा रहा। जिसके कारण सड़क यातायात पर असर दिखाई दिया। सोमवार को सुबह से ही घने कोहरे एवं दोपहर से बादल छाए रहने से सूरज की लुकाछिपी से सूर्य के नाम मात्र के भी दर्शन नहीं हुए। शाम के बाद ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों में सन्नाटा छाया रहा।

शीतलहर और संभावित बारिश को लेकर आमजन और किसानों से सावधानी बरतने की अपील

8–9 जनवरी तक ठंड और बारिश की संभावना

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिलेवासियों से संभावित शीतलहर के मद्देनजर विशेष सावधानी बरतने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा पिछले कुछ दिनों से लगातार शीतलहर चल रही है और मौसम विभाग के अनुसार 8-9 जनवरी तक इसके बने रहने की संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं बारिश होने की भी आशंका जताई गई है। कलेक्टर श्री कोचर ने शहर एवं जिले की जनता से आग्रह किया कि सर्दियों के इस मौसम में अपनी और अपने परिवार की सेहत का विशेष ध्यान रखें। ठंड से बचाव के लिए हर स्तर पर सभी आवश्यक उपाय अपनाएं, खासकर बच्चों और बुजुर्गों को शीतलहर से सुरक्षित रखें, ताकि वे बीमार न हों। उन्होंने कहा यदि सभी लोग सावधानी बरतेंगे, तो यह 8-10 दिनों का कठिन मौसम आसानी से निकल जाएगा और परिस्थितियाँ सामान्य हो जाएंगी। उन्होंने बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताते हुए कहा इस मौसम में उन्हें अधिक परेशानी होती है, इसलिए अतिरिक्त सतर्कता आवश्यक है।कलेक्टर श्री कोचर ने किसान भाइयों से भी आग्रह किया कि 8 से 10 जनवरी तक संभावित बारिश को देखते हुए फसलों और कृषि कार्यों के प्रति सजग रहें। कलेक्टर ने आश्वस्त किया प्रशासन जनता की सेवा के लिए सदैव तत्पर है। किसी भी प्रकार की समस्या की स्थिति में नागरिक 112 या दमोह हेल्पलाइन 07812-350300 पर तत्काल संपर्क कर सकते हैं अथवा जनसुनवाई में अपनी बात रख सकते हैं।

हम महापुरूषों को सम्मान देगें तो उनके मानने वाले हमें सम्मान देंगे

न्याय महारैली का ऐतिहासिक आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

जननायक सुखलाल कुशवाहा पूर्व सांसद की 62वीं जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय महात्मा फुले समता परिषद मप्र की न्याय महारैली का ऐतिहासिक आयोजन तहसील ग्राउन्ड पर किया गया जिसमें प्रदेश के कई जिलो से कुशवाहा समाज ओवीसी महासभा अल्पसंख्यक एवं दलित भाईयो ने न्याय महारैली में सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीपी यादव पूर्व संसद ने कहा कि सुखलाल कुशवाहा जो निमौक थे निडर थे विचारो की मशाल थे और समाज के लिये उनके मन में बहुत कुछ करने का जुनुन था उनकी जन्मजयंती पर हजारो की तादाद में लोगों का जुड़ना इस बात का पारिचायक है कि वह आज भी लोगों के दिलो में है जब हमें खून की जरूरत होती है तो वहां हम यह नहीं देखते यह किस जाति का है।

पूर्व विसा अध्यक्ष राजा पटेरिया, पूर्व मंत्री सुरेश राजे, पूर्व विधायक अजय टंडन, तरवर सींग, प्रताप सींग, कैलाश कुशवाहा, सुनील सराफ, बैजनाथ कुशवाहा, पूर्व विधायक नागमणि कुशवाहा, मदन सींग कुशवाहा, आरिफ इकबाल, मानक पटेल, रतनचंद जैन, मनु मिश्रा, ज्योति पटेल, प्रदीप खटीक, बृजेन्द्र सींग ने भी कहा कि दलित शोषित वंचित समुदाय के साथ कितनी घटनाये हो गई और और कितनी घटनाओ की जानकारी हमें नहीं है। वर्तमान की सरकारे जिस तरह का काम कर रही हे उससे यही लगता है कि हमें पुनः गुलाम बनाने की कोशिश की जा रही है । आयोजक एवं सतना विधायक सिद्वार्थ कुशवाहा ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि सामाजिक न्याय की लड़ाई जो उनके पिता ने शुरू की थी उसी की मुहिम वह मप्र के किसी न किसी जिले में उनके जन्म दिवस पर आयोजन कर दीन दुखी निर्वल असहाय शोषित वंचित व्यक्तियों की आवाज उठाने के लिये आयोजन करते है जिससे सामाजिक न्याय मांगने वाला व्यक्ति यह न समझे कि वह अकेला है हम सब उसके हक के लड़ाई के लिये तत्पर है।

कार्यक्रम प्रभारी बसंत कुशवाहा ने प्रदेश के कोने कोने से आये आतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर योगेन्द्र कुशवाहा, डालचंद कुशवाहा, शमीम कुरैशी, पुरूषोत्तम कुशवाहा, पप्पू कुशवाहा, मुकेश रोहिताश, रवि कुशवाहा सहित कुशवाहा समाज एवं ओबीसी महासभा के व्यक्तियो महिलाओं की उपस्थिति रहीं।

कलियुग के भगवान का नाम भागवत है : श्रवणानंद सरस्वती

दमोह। सत्संग और संकीर्तन की भूमि दमोह में सप्त दिवसीय दिव्य श्रीमद्भागवत कथा स्वामी श्रवणानंद सरस्वती महाराज के मुखारविंद से हो रहा है। स्वामी श्रवणानंद सरस्वती जी ने कहा कि सत्युग के भगवान का नाम सनकादि है। त्रेतायुग के भगवान का नाम राम है। द्वापर युग के भगवान का नाम कृष्ण है। कलियुग के भगवान का नाम श्रीमद्भागवत महापुराण है। हमारी रोज़ इनसे मुलाक़ात है, रोज़ इनका नितनवीन दर्शन है। परीक्षित मरनेके बाद मुक्त नहीं हुए थे। जिस दिन उन्हें श्रीशुकदेव गुरुदेव मिलें और उन्होंने चतुर्शलोकी भागवत सुना दी उसी दिन मुक्त हो गए थे। वे सात दिन "जीवन मुक्त" होकर जिये थें, भागवत मरनेके बाद मुक्ति नहीं, भागवत आपको जीवन मुक्ति देता है। जीवनमुक्त होकर जीवन का रस लो, यह जीवन मातम मनाने के लिए नहीं, महोत्सव मनाने के लिये है। मनुष्य जीवन रोने के लिए नहीं, मुस्कुराने के लिए है। यह मनुष्य जीवन सोने के लिये, खोने के लिये नहीं - जागने के लिए है। जितने दिन सोये हो उतना आपने खोया है। अब आपको जागना है और पाना है। परिवार उसी का नाम है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का महत्त्व है, उसी में परितः रक्षा होती है। जब किसी एक व्यक्ति के आधार पर ही निर्णय होने लगे तब 'परितः वार' (चारों ओर से आक्रमण) होने लगता है। जो जगत का चिंतन करता है उसे ग़लत मानते हैं और जो हरि का चिंतन करता है उसे हरि मानते हैं । 'पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं' - मनुष्य शरीर इस पराधीनता के लिए नहीं मिला है। पराधीनता में सुख कभी नहीं हो सकता। आप स्वाधीन बनें, आप अपने को जाने और भगवान को केवल माने ही नहीं! भगवानके विषय में जानें और भगवान से मिलने का प्रयास भी करे। पूर्ण केवल परमात्मा है। जब तक आप पूर्ण नहीं बनेंगे आप पूर्ण सुखी नहीं बन पायेंगे। आप परमात्मा से नहीं संसार से सुख चाहते हो- यही आपकी सबसे बड़ी भ्रान्ति है! इस भ्रांति को मिटाने के लिये भागवत प्रकट हुआ है। शश्वत कृष्ण प्राप्ति का अर्थ है कि एक बार हमसे भगवान मिल जाये फिर कभी जुदा न हो! यह आनन्द बिना गुरु कृपा के मिलता नहीं है।

आग लगने से गृहस्थी जलकर खाक

झलौन। तेंदुखेडा थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम झलौन में सोममवार लगभग सुबह 5:00 बजे एक मकान में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह आग श्री त्रिलोकचंद जैन, निवासी गुहची झलौन के मकान की दहलान में लगी। आग लगने से घर में रखा वॉशिंग मशीन, कूलर, पंखा, पलंग, बिस्तर सहित घरेलू सामान जलकर खाक हो गया, जिससे लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पटवारी पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित पुलिस थाने को सूचना देने की बात कही गई। सौभाग्यवश इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

नरसंहार के विरोध में पुतला दहन कर जताया विरोध

जबेरा। बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं के नरसंहार के विरोध में सकल हिंदू समाज के द्वारा श्री राम चौराहा जबेरा में पुतला दहन कर के विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बताया कि बांग्लादेश में पिछले कुछ समय से जो लगातार हिंदुओं का नरसंहार हो रहा है उसके विरोध में सकल हिंदू समाज के द्वारा पूरे जबेरा नगर में जुलूस निकालते हुए श्री राम चौराहा पर पुतला दहन करके विरोध जताया गया एवं हमारे द्वारा देश की सरकार को यह संदेश दिया गया कि इस नरसंहार को लेकर के सरकार कड़ी प्रतिक्रिया दे क्योंकि अब शांत रहने का समय नहीं है साथ ही बांग्लादेश में निवास रत हिंदुओं की सुरक्षा हेतु सरकार को ठोस कदम उठाना चाहिए। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित अन्य ग्राम के लोगों की उपस्थिति रही।

अज्ञात व्यक्ति ले जा रहा था भैंस, ग्रामीणों को आता देख भागा

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा क्षेत्र मवेशियों की चोरी सबसे अधिक होने की घटनाएं सामने आती है। यह के लोग अक्सर थाने में खड़े रहते हैं जो ये बताते हैं कि उनके मवेशी चोरी हो गये है ओर अब उनके परिवार के भ्रमण पोषण होना मुश्किल हो गया है क्योंकि उन्हीं मवेशियों के दूध से परिवार का भ्रमण पोषण होता था। ऐसा ही एक चोर रविवार की रात ग्राम के कुछ लोगों को देखकर उन भैंसों को मौके पर छोड़कर भाग गया हैं जो भैंसों की चोरी करके ले जा रहा था। मामला दरौली ग्राम से सामने आया है रात्रि के समय एक व्यक्ति सात नग भैंस लेकर पैदल जा रहा था दरौली त्रिगडे पर व्यक्ति जैसे ही पहुंचा उसी समय कुछ लोग वहां खड़े थे। अचानक एक ट्रक आ गया जिसकी हैडलाइट में व्यक्ति का चेहरा दिख गया। जैसे ही उस व्यक्ति का चेहरा दिखाई दिया उसने भैंसों को छोड़ा और दौड़ लगा दी बाद ग्राम के लोगों ने भैंसों को मुख्य मार्ग से दूर किया और सूचना मीडिया को दी। दीपक यादव दरौली निवासी ने बताया उनके बड़े पिता की दुकान मुख्य मार्ग पर है। रात्रि में वह निस्तार को उठे उसी समय भैंसों को हॉककर व्यक्ति ले जा रहा था। किन्तु उसका जैसे ही चेहरा दिखा और उससे पूछताछ की उसने बिना जवाब दिये दौड़ लगा दी। भैंस सभी दरौली में छोड़ गया। अनुमान यह लगाया जा रहा है वह भैंस का चोर था जो भैंसों को लेकर जा रहा था किन्तु ट्रक की हैडलाइट में उसका चेहरा दिख गया था इसलिए उसने खुदको बचाया और भाग गया भैंस सुरक्षित है जिस व्यक्ति की हो वह दरौली आकर उनकी पहचान कर सकता है।

नशामुक्त ग्राम बनाने चलाया हस्ताक्षर अभियान

दमोह। भगवती मानव कल्याण संगठन के तत्वाधान में ग्राम छेवला दुबे-1 में नशामुक्त ग्राम निर्माण के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। अभियान में ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशामुक्त जीवन का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने नशे से होने वाले सामाजिक, पारिवारिक एवं स्वास्थ्यगत दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला। संगठन की संभागीय प्रचार मंत्री श्रीमती ओमवती अठ्या ने कहा कि नशामुक्त समाज ही स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र की नींव है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि नशे के विरुद्ध एकजुट होकर इस अभियान को सफल बनाएं। छेवला दुबे में नशामुक्त ग्राम हेतु हस्ताक्षर अभियान, नशे के खिलाफ एकजुट हुआ छेवला दुबे गांव, भगवती मानव कल्याण संगठन का नशामुक्त ग्राम अभियान, नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो का संदेश लेकर निकला हस्ताक्षर अभियान।

साकेत वार्ड बजरिया में सीसी रोड, नाली एवं टॉप लेन फुटपाथ लाइट कार्यों का हुआ लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

नगर पालिका परिषद दमोह के वार्ड क्रमांक 37 साकेत वार्ड, बजरिया नंबर 07 में सी.सी. रोड, नाली निर्माण एवं टॉप लेन फुटपाथ लाइट स्थापना कार्यों का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को आवागमन की सुविधा के साथ-साथ स्वच्छता और बेहतर प्रकाश व्यवस्था का सीधा लाभ मिलेगा। लोकार्पण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने की। विशेष अतिथि के रूप में आलोक गोस्वामी, अखिलेश हजारी, रमन खत्री एवं वार्ड पार्षद कविता राय उपस्थित रहीं। इस अवसर पर विधायक जयंत कुमार मलैया ने कहा कि नगर के सर्वांगीण विकास के लिए मूलभूत सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली निर्माण एवं टॉप लेन फुटपाथ लाइट जैसी सुविधाएं वार्ड के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पार्षद कविता राय के प्रयासों से वार्ड में पुलिस चौकी पुनः शुरू हुई और आवास, पेंशन, मुफ्त राशन, लाड़ली बहना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ वार्डवासियों को समान रूप से मिला है। भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि वार्ड पार्षद द्वारा कराए जा रहे विकास कार्य आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने वाले हैं। सड़क, नाली और प्रकाश व्यवस्था जैसे कार्यों से नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। सरकार का उद्देश्य है कि विकास की रोशनी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। वार्ड पार्षद कविता राय ने कहा कि बजरिया वार्ड 7 में लंबे समय से सड़क और नाली निर्माण की आवश्यकता थी। आज इन कार्यों के लोकार्पण से वार्डवासियों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई है। उन्होंने नगर पालिका परिषद एवं सभी जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बब्लू भट्ट, अरुण तिवारी, संजय सेन, राघवेंद्र सिंह परिहार, अमित बजाज, राजेंद्र चौरसिया, रमाकांत वाजपेई, पार्षद कपिल सोनी, पार्षद नितिन चौरसिया(पप्पू मलाई), मोनू राजपूत, ब्रज गर्ग, अरविंद उपाध्याय, राहुल पाठक, देवकीनंदन पटेल, मंगू भट्ट, मुकेश राय, रितेश सोनी, प्रदीप राय, सुनील यादव, भवानी यादव, कमलेश विदुआ, देवी सिंह, राममिलन तिवारी, श्याम विश्वकर्मा, देवल कटारे, दिलीप चौरसिया, जितेंद्र राठौर, शहजाद कुरेशी, शहीद कांजी, पूरन राठौर, रविंद्र राठौर ,दिलीप ठाकुर, कमलेश सोनी, आदि राय, संजय गौतम, छोटू ठाकुर, विकास राय, दीपक मिश्रा, गोलू तिवारी, गिरजा साहू, वर्षा रैकवार, अर्चना जैन, लता केसरवानी, रितु पांडे, बबली विश्वकर्मा, छाया साहू, आरती राय, जागृत राय एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कृष्णा पटेल ने तथा आभार दमोह नगर पालिका के इंजीनियर शोभित अग्रवाल ने व्यक्त किया ।

एक पेड़ भविष्य के नाम के तहत किया पौधारोपण

जबेरा। संपूर्ण मध्य प्रदेश में वर्तमान मेंएनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौक से जी के द्वारा दिनांक 1 जनवरी से लेकर 15 जनवरी 2026 तक पूरे प्रदेश के कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयो में एनएसयूआई के द्वारा एक पेड़ लगाकर के यह अभियान चलाया जा रहा है। उसी क्रम में इस अभियान के तहत विधानसभा क्षेत्र 56 जबेरा में एनएसयूआई के विधानसभा अध्यक्ष प्रवीण राय के द्वारा आज महाविद्यालय जबेरा के मैदान में एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर के वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर प्रवीण राय ने कहा कि पूरे देश में इस समय भाजपा की सरकार के द्वारा कई हजार पेड़ों को सिर्फ अंदानी ग्रुप को खनन करने एवं फायदा पहुंचाने के लिए किया जा रहा है भविष्य में पूरे देश में ऐसा समय आएगा जब हमको दिल्ली की तरह सांस लेने में भी दिक्कत का सामना करना पड़ेगा हम सभी को युवा शक्ति को साथ मिलकर के पर्यावरण संरक्षण का यह संकल्प लेना है ताकि यह आने वाली पीढियां के सुरक्षित भविष्य के लिए समर्पित हो इसी को लेकर के पूरे प्रदेश में एनएसयूआई के द्वारा एक पेड़ भविष्य के नाम, के साथ वृक्षारोपण किया जा रहा है। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में जबेरा नगर अध्यक्ष विवेक तिवारी सहित विद्यालय के अनेक छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

अवैध शराब पर नकेल, आठ पेटी अवैध शराब जप्त, दो आरोपी फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हटा

थाना अंतर्गत पुलिस ने शनिवार रविवार की दरम्यानी रात 8 पेटी अवैध शराब को जप्त करने में सफलता प्राप्त की है। मामले में दो आरोपियों पर आबकारी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्घ किया गया है। हटा थाना प्रभारी सुधीर कुमार बेगी ने बताया कि हटा थाना में पदस्थ उपनिरीक्षक नरेंद्र तिवारी को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई थी कि हटा के समीपस्थ ग्राम पांजी में इस्लाम खान के घर समीप कुछ लोग अवैध शराब को इधर उधर कर रहे हैं। सूचना पर उप निरीक्षक ने थाने से पुलिस हमराही स्टाफ आरक्षक संजय अठया नरेश तिवारी जितेंद्र राजपूत के साथ मौके पर दबिश दी। वही इस्लाम खान के घर के समीप 8 पेटी अवैध शराब जो 47 हजार 820 रुपए कीमती बताई जा रही है। अवैध शराब को जप्त किया गया। वही कोहरे और अंधेरे का लाभ उठाकर आरोपी इस्लाम खान एवं ब्रजेश साहू उर्फ कल्लू जो कि जटाशंकर निवासी बताया जा रहा है। वह दोनो मौके से फरार हो गए। हटा थाने में दोनो आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 4/ 26 धारा 34/2 आबकारी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी गई है।